राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक: 6   तेरहवीं विधान सभा के छठे सत्र का छत्तीसवां दिवस   संख्या: 14

मंगलवार,
22 मार्च, 2011

राजस्थान विधान सभा की बैठक 11:00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्ष: श्री बाबूलाल खराड़ी। ..(व्यवधान). श्री बाबूलाल खराड़ी।

तारांकित प्रश्नोत्तर

झाडोल विधान सभा क्षेत्र में जनजातियों के कल्याण हेतु व्यय राशि

256. श्री बाबूलाल खराड़ी (झाड़ोल): क्या जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे:-

(1) विधान सभा क्षेत्र झाडोल में राज्य सरकार द्वारा जनजातियों के कल्याण हेतु कौन-कौनसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं?

(2) उक्त क्षेत्र में गत दो वर्षों में किस-किस योजना पर कितनी-कितनी राशि व्यय की गई?

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): माननीय अध्यक्ष महोदय, जिस तरह से राजस्थान की विधान सभा में इन लोगों ने ...(व्यवधान)... कर रखी है, केवल अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना रखा है इन लोगों ने...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): यह राजस्थान के इतिहास के लिये कोई अच्छी परम्परा नहीं है माननीय अध्यक्ष महोदय। ..(भारी व्यवधान)... अगर माफी नहीं मांगेंगे तब तक सदन की कार्यवाही ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: अध्यक्ष महोदय, पहले माफी तो मंगाओ, फिर कार्यवाही शुरू करो। ..(व्यवधान)... अध्यक्ष महोदय, अगर यह छोड़ दोगे तो माननीय सदस्यों का क्या होगा?

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): अगर प्रतिपक्ष की नेता माफी नहीं मांगेगी तब तक सदन की कार्यवाही... (व्यवधान)...

कार्यवाही वृत्तान्त में प्रयुक्त संकेताक्षर

+++: शब्द/अभिव्यक्ति अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अपलोपित की गयी।

000: अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार अंकित नहीं किया गया।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिस तरह से अभद्रता की, जिस तरह की यह लोग भाषा बोलते हैं..(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: पहले माफी तो मंगाओ। ...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): जिस तरह की स्थिति बनी, जिस तरह से सदन में तीन दिन से माहौल खराब हुआ, यह सारी जिम्मेदारी इन लोगों की है।...(भारी व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जिस तरह से महिलाओं पर टिप्पणी करते हैं। यह सदन को कठपुतली की तरह खुद की मर्जी से चलाना चाहते हैं। खुद अपना बयान देते हैं। ...(व्यवधान)... मुख्य मंत्री का लगातार चार बार सार्वजनिक तरीके से षडयंत्र करके यह लोग मुख्य मंत्री का वक्तव्य नहीं होने देना चाहते हैं। ...(भारी व्यवधान)...इस तरह का षड्यंत्रकारी विपक्ष राजस्थान की विधान सभा के इतिहास में, माननीय अध्यक्ष महोदय, पहली बार आया है।

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): विपक्ष की नेता बनी हैं, पहले भी रही हैं और पहले भी मुख्य मंत्रीजी को नहीं बोलने दिया गया।...(भारी व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: आपको खींवाराम की सौगन्ध है कोई बोले तो...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): तब भी नहीं बोल पाये। ...(व्यवधान)..

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): हम सदन चलाना चाहते हैं, लेकिन चालाकी से यह अपनी बात कह दें और सदन के नेता को बात कहने का जब मौका आया तो उनको बात नहीं कहने दी। ...(व्यवधान)..

एक माननीय सदस्य: खींवाराम की कसम है आपको। ...(व्यवधान)....

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जो प्रतिपक्ष ने कर रखा है, जो उनके रणनीतिकारों ने कर रखा है, माननीय अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही शर्मनाक पहलू है। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: खींवाराम की सौगन्ध है। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): राजस्थान की लोकतंत्र व्यवस्था को किस तरह से इन्होंने कठपुतली बनाने की कोशिश की है। यह समझते हैं कि राजस्थान की 6 करोड़ जनता हमारी जेब में हैं। ...(व्यवधान)... हम जिसको चाहे उसको हरा दें, जब चाहे सरकार बना दें ...(व्यवधान)... यह लोकतंत्र को कठपुतली की तरह नचाने की इनकी दुस्साहसपूर्वक कार्यवाही है। ...(व्यवधान)... माननीय अध्यक्ष महोदय, इस तरह के लोगों को बिना शर्त, जो भी इन्होंने किया है, इस सदन के अंदर माफी मांगने में किस बात का हर्ज है। कौनसे बड़े आदमी है....(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: खींवाराम की सौगन्ध है आपको, खींवाराम की...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): जो गलतियां इन्होंने की है,, सदन के अंदर, इन्होंने जो माहौल बनाया है सदन के अंदर, यह एक के बाद एक कभी बोलने के लिये खड़े होते हैं, यह बोलने नहीं देते और इनके प्रतिपक्ष के जो सचेतक हैं...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी मांगो पहले। ..(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सरदार है वह और इनकी जो चार-पाँच लोगों की मंडली है..(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: यह मंत्री अनर्गल शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं..(व्यवधान)... अगर नहीं मानते तो खींवाराम को बुलाना पड़ेगा। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आप लोग कृपया बिराजें, प्रश्न काल चलने दें। ..(व्यवधान)... कृपया बिराजें, प्रश्न काल चलने दें। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: यह जो अपने आपको अनुभवी बताते हैं, जिन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं...(व्यवधान)... जनता भी देखती है। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): तारानगर के माननीय सदस्य, डीग के माननीय सदस्य और जो इनके साथी हैं...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: गृह मंत्री के लिये खींवाराम को बुलाना पड़ेगा। ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): एक +++ बनी हुई है, जो राजस्थान विधान सभा को चलाने नहीं देना चाहती। सदन के हमारे नेता का भाषण नहीं होने देना चाहती। ...(व्यवधान)... यह शर्मनाक पहलू है कि अपनी बात कहते हो । आपकी बात हम शालीनतापूर्वक सुनते हैं। जब सदन के नेता को षड्यंत्रपूर्वक आप लगातार चार बार नहीं बोलने दोगे तो यह तो लोकतंत्र के ऊपर तमाचा लगाने की कोशिश है। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: कितनी निकम्मी, कितनी नालायक...(व्यवधान)... हल्ला मचाते रहो। ...(व्यवधान)....

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): डेमोक्रेसी के अंदर कितनी परम्पराओं में आपकी आस्था है, यह इस बात का द्योतक है। यह षड्यंत्रकारी लोग हैं, जो ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिये स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.04 बजे, एक घंटे के लिये स्थगित हुई।)

pcs/usc/22.03.2011/12.00/1g/

(12.04 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, अध्यक्ष, पदासीन)

स्थगन प्रस्तावों पर व्यवस्था

श्री अध्यक्ष: मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है:-

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): अध्यक्ष महोदय, पहले सदन को आर्डर में लाइये। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: (1) श्री वासुदेव देवनानी, सदस्य की ओर से राज्य में विभिन्न शहरों में मिल रहे नकली नोटों से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): अध्यक्ष महोदय, जिस तरह की यहां पर चर्चा हुई है, उसके बाद जिस तरह इन्होंने बयान सहित अपने आपको पलटा है... ...(व्यवधान)...

(सदन में भारी शोरगुल)

श्री अध्यक्ष: (2) श्री अमराराम, सदस्य की ओर से सवाई माधोपुर के सुरवाल कस्बे में थानाधिकारी को जिन्दा जलाये जाने एवं राजेश मीणा की मृत्यु से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): अध्यक्ष महोदय, ये चार-चार बार माननीय मुख्य मंत्रीजी को बोलने नहीं दें। इनका इस तरह का जो रवैया है.... ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: उपरोक्त प्रस्ताव अविलम्बनीय लोक महत्व के नहीं हैं। माननीय सदस्यों को आज गृह विभाग की अनुदान की मांग पर चर्चा के समय बोलने का पर्याप्त अवसर उपलब्ध है। अत: अनुमति देने में असमर्थ हूं।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): मैंने पहले भी कहा है कि अगर ये भगवान में आस्था रखते हैं तो मन्दिर पर चढ़ जाओ। मन्दिर पर चढ़कर कह दें कि अगर आपने नहीं कहा पूरे कांग्रेस विधायक दल और राजस्थान के मुख्य मंत्रीजी के लिए, उनको देख लेने की धमकी, अगर नहीं दी है, अगर आप सच्चे हैं तो आप मन्दिर पर चढ़ जाओ। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: (3) श्रीमती किरण माहेश्वरी, सदस्य की ओर से राज्य की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को मानदेय अन्य राज्यों से कम मिलने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): ... ...(व्यवधान)... बार-बार धमकियां माननीय सदस्य को दे रहे हैं। यह लोकतंत्र का तरीका नहीं है। अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों को धमकी मिल रही हैं। ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: (4) श्री ज्ञानचन्द पारख, सदस्य की ओर से पाली शहर की बीपीएल परिवारों को दिये जाने वाले केन्द्र सरकार के सहयोग से निर्मित मकानों के आवेदनों में हो रही धांधलियों से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): कसम ख लो भगवान की। अपने पुत्र की कसम खाकर कह दो कि आपने नहीं कहा है। ...(व्यवधान)...

(सदन में भारी शोरगुल)

श्री अध्यक्ष: (5) श्री शंकर सिंह रावत एवं सात अन्य सदस्यों की ओर से किशनगढ़ से ब्यावर जाने वाली सड़क पर 6 लेन का गोल राउण्ड बनाने में आने वाले पक्के निर्माण कार्यो को तोडे जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(6) श्री गुलाब चन्द कटारिया, सदस्य की ओर से उदयपुर में अन्त्योदय और बीपीएल परिवारों को आवंटित किये जाने वाले गेहूं की कालाबाजारी किये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

माननीय सदस्यों को पर्ची के माध्यम से बोलने की अनुमति दी गई है। अत: इन प्रस्तावों पर अनुमति देने में असमर्थ हूं।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ... हम मान लेंगे। सरेआम बीस पच्चीस विधायकों के बीच में कोई बात कहते हैं, मंत्रिमण्डल के लोगों को भड़काते हैं और आप हमसे उम्मीद करते हैं। ...(व्यवधान)... षड्यंत्र रचने की कोशिश होती है। ...(व्यवधान)... मैं समझता हूं कि राजस्थान की राजनीति के लिए इतना शर्मनाक पहलू इन्होंने बना दिया है और यह इस सदन की गरिमा... ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: (7) श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल, सदस्य की ओर से कोटा के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में हिन्दी स्टेनो प्रशिक्षण कार्यक्रम में छात्रों को प्रवेश नहीं दिये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(8) श्री सुखराम, सदस्य की ओर से धौलपुर पत्थर पर डबल रायल्टी वसूले जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(9) श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, सदस्य की ओर से नगर निगम जोधपुर द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से नहीं किये जाने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

(10) श्री राजेन्द्र राठौड़, सदस्य की ओर से राज्य के अधिकारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के प्रकरणों में सरकार द्वारा अभियोजन की स्वीकृति नहीं दिये जाने से उत्पन्न स्थिति पर चर्चा के लिए।

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोक कर इन पर विचार किया जाये, अत: अनुमति देने में तो असमर्थ हूं फिर भी माननीय सदस्य श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल, श्री सुखराम, श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास एवं श्री राजेन्द्र राठौड़ को अपने अपने प्रस्ताव की विषय वस्तु पर दो दो मिनट बोलने की अनुमति होगी।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): ... और इस सदन की मर्यादा के लिए... ...(व्यवधान)... हमेशा इन लोगों का यह दम्भ रहता है। जो यह कहते हैं, क्या वही चलेगा? आप इस सदन को अंगुली और इशारे पर चला नहीं सकते। ...(व्यवधान)... इन्होंने इनके जमाने में राजस्थान को लूटा है। ...(व्यवधान)... ये सदन नहीं चलाना चाहते। यह +++ बना हुआ है। ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): माफी मांगो, माफी मांगो। (भारी व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आसन पैरों पर है। ...(व्यवधान)... आप बिराजिए। ...(व्यवधान)... सदन की कार्यवाही एक घंटे के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 12.07 बजे एक घंटे के लिए स्थगित हुई)

Msr/usc/1300/1n/22032011

(13.07 बजे)

पुन: समवेत् होने पर

(मेजर ओ.पी. यादव, सभापति, पदासीन)

श्री सभापति: होली की शुभकामनाएं आपको। होली की शुभकामनाएं ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): सभापति महोदय, जिस तरह से प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों ने बजट पर जब हमारे सदन के नेता रिप्लाई देने के लिए खड़े हुए और प्रतिपक्ष ने जिस तरह से सदन के नेता को नहीं बोलने दिया, तीन-तीन बार सदन स्थगित हुआ और उनको नहीं बोलने दिया। पहला मौका नहीं है, पहले भी तीन बार प्रतिपक्ष ने इसी तरह से, जब अभी जो वर्तमान में प्रतिपक्ष की नेता हैं, जिस तरह से उन्होंने उनको नहीं बोलने दिया, फिर उन्होंने नहीं बोलने दिया और जिस तरह से धमकी दी जा रही है सभी माननीय सदस्यों की कि हम देख लेंगे ...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): माननीय सभापति महोदय, माननीय प्रतिपक्ष की नेता जिस तरह का व्यवहार इस सदन के अन्दर ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों के साथ ही नहीं, एक सरकारी कर्मचारी को ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): इस तरह से सदन नहीं चल सकता। हमारे सदन के नेता के लिए ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सभापति महोदय, ...(व्यवधान)... प्रतिपक्ष के नेता ने जो व्यवहार किया है ...(व्यवधान)...

मास्टर भंवरलाल मेघवाल (शिक्षा मंत्री): सभापति महोदय, निवेदन करना चाहूंगा कि सदन से माफी मांगें। ...(भारी व्यवधान) ...

एक माननीय सदस्य: आप प्रताड़ित करिये ...(व्यवधान)... इस प्रकार की परम्परा डाली है इन्होंने पहली बार ...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): माननीय सभापति महोदय, इस तरह का व्यवहार प्रतिपक्ष की नेता ...(व्यवधान)... सत्ता पक्ष के नेता को बजट पर एक बार नहीं, तीन-तीन बार नहीं बोलने देने का सबसे बड़ा कारण हठधर्मिता ...(व्यवधान)... प्रतिपक्ष के नेता के रूप में ...(भारी व्यवधान)... जो प्रक्रिया है, वो कर्मचारी को धमकी ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): हमारे जो कर्मचारी हैं विधान सभा के, उनको भी धमकाया गया ...(व्यवधान)... यह, सभापति महोदय, प्रतिपक्ष के नेता के रूप में उनका आचरण बिलकुल उचित नहीं है, यह बिलकुल अनुचित है ...(व्यवधान)... जिस तरह से सदन चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की है उसी तरह से प्रतिपक्ष की भी है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कृपया शांति बनाये रखें, सदन की कार्यवाही चलने दें,, कृपया। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़):...(व्यवधान)... जिस तरह से प्रतिपक्ष की नेता ने आते ही हमारे सदन के नेता को नहीं बोलने देने के लिए एक रणनीति के तहत ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी मंगाओ। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: स्थगन प्रस्ताव पर ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: हमेशा लोकतंत्र में विश्वास रहा है ...(व्यवधान)... सदन चलना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्रीमती चन्द्रकान्ता मेघवाल ...(व्यवधान)... श्री सुखराम ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): बर्दाश्त नहीं करें। ...(व्यवधान)... सभापति महोदय, प्रतिपक्ष की नेता आकर के सदन के अन्दर क्षमायाचना करें ...(व्यवधान)...

Ars/usc/1310/1o/22032011/1

(भारी व्यवधान) .... सभापति महोदय, प्रतिपक्ष की नेता आकर सदन में क्षमायाचना करें ...(व्यवधान)... तभी सदन व्यवस्थित चल पाएगा। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी मांगे, माफी मंगवाओ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास ...(व्यवधान)... श्री राजेन्द्र राठौड़

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभापति महोदय, हाउस को आर्डर में लाइये ...(व्यवधान)... मैं बोल रहा हूं सभापति महोदय ...(व्यवधान)... हाउस को आर्डर में लाइये ...(व्यवधान)... मैं अपनी बात रखना चाहता हूं सदन के अन्दर ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): ...(व्यवधान)... आग में घी डालने का काम किया है ...(व्यवधान)... तो माननीय प्रतिपक्ष की नेता ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): मेरा नाम पुकारा है सभापति महोदय, आपने ...(व्यवधान)... मैं बोल रहा हूं सभापति महोदय ...(व्यवधान)... मैं बोल रहा हूं ...(व्यवधान)...

श्री रामलाल (राज्य मंत्री, वन एवं पर्यावरण): सभापति महोदय, सदन के नेता को नहीं बोलने दिया गया ...(व्यवधान)... माफी मंगवाए ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): मुझे अवसर दीजिए सभापति महोदय ...(व्यवधान)... हाउस को आर्डर में लाएं ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सभापति महोदय, माननीय सदस्य राजेन्द्र राठौड़ को बाहर निकालो ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): मैं बोल रहा हूं, ...(व्यवधान)... मैं बोल रहा हूं ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: यह सदन का माहौल खराब कर रहे हैं ...(व्यवधान)...

नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख

श्री सभापति: श्रीमती कमसा मेघवाल, श्री प्रदीप कुमार सिंह, श्री बाबूलाल बैरवा ...(व्यवधान)...

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): मैं बोल रहा हूं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: डा0 फूलचन्द भिण्डा, श्रीमती नसीम अख्तर इंसाफ, श्री हरिसिंह रावत ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): जो बजट पेश किया गया ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: आप सदन को गुमराह कर रहे हो ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री शिवजीराम मीणा, श्री मोहनलाल गुप्ता, सुश्री सिद्धि कुमारी, श्री कल्याण सिंह चौहान ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सभापति महोदय, गृह मंत्री से माफी मंगवाओ ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री मानसिंह, श्री अमराराम ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: पुलिस पिट रही है ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): माहौल बने कांग्रेस के पक्ष में ...(व्यवधान)... आज बहुत सारे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होनी है ।

श्री सभापति: माननीय सदस्यों द्वारा दी गयी सूचना को पढ़ा हुआ माना जाए।

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): सभापति महोदय, सदन को चलने नहीं देना चाहते ...(व्यवधान)... हम अपनी बात को रखना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

श्री अमराराम (दांतारामगढ़): सभापति महोदय, हाउस को आर्डर में लाइये ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: गृह मंत्री से माफी मंगवाओ ...(व्यवधान)... एयरपोर्ट पर कारतूस लेकर कैसे चढ़े ...(व्यवधान)...

श्री पेमाराम (धोद): सभापति महोदय, हाउस को आर्डर में लाओ ...(व्यवधान)... एक तरफ राजस्थान की जनता ...(व्यवधान)... त्राहि त्राहि मच रखी है दूसरी तरफ ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: गृह मंत्री से माफी मंगवाओ ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: एयरपोर्ट पर कैसे चढ़े ...(व्यवधान)... कहां देकर आए सप्लाई ...(व्यवधान)...

पर्ची के माध्यम से उठाये गये मुद्दे

श्री सभापति: कृपया शांति बनाए रखें। ...(व्यवधान)... आज दिनांक 22.03.2011 को 14 पर्चियां प्राप्त हुई हैं जिनमें से शलाका द्वारा चार पर्चियां निकाली गयी हैं, वह निम्नांकित हैं:- श्री शंकरसिंह रावत, श्री ज्ञानचन्द पारख, श्री गुलाबचन्द कटारिया, श्रीमती किरण माहेश्वरी। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: लगातार सभापति महोदय, सदन में अवरोध पैदा कर रहे हैं ...(व्यवधान)... सत्ताधारी दल को जनता से माफी मांगनी चाहिए ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सभापति महोदय, मेरी पानी की पर्ची लगी है ...(व्यवधान)... सभापति महोदय, हाउस को आर्डर में लाओ ...(व्यवधान)... एक तरफ कानून व्यवस्था बिगड़ रही है ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सभापति महोदय, बहुत भंयकर समस्या है ...(व्यवधान)... पर्ची निकली है पानी की भंयकर समस्या है ...(व्यवधान)... यह सदन को चलने नहीं देना चाहते ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: राजस्थान की जनता पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रही है ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: गृह मंत्री से माफी मंगवाओ, सदन सुचारू रूप से चले ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): सभापति महोदय, पिछले तीन चार दिन से सदन में ...(व्यवधान)...

सदन पटल पर रखे गये पत्र

अधिसूचनाएं

ऊर्जा विभाग

श्री सभापति: डा0 जितेन्द्र सिंह, ऊर्जा मंत्री ऊर्जा विभाग की दो अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखेंगे।

डॉ0 जितेन्द्र सिंह (ऊर्जा मंत्री): सभापति महोदय, मैं कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार ऊर्जा विभाग की निम्नांकित अधिसूचनायें सदन की मेज पर रखता हूं :-

1- अधिसूचना संख्या: राविविआ/सचिव/विनि/82 दिनांक 23.12.2010, जिसके द्वारा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (अक्षय ऊर्जा प्रमाण-पत्र तथा अक्षय क्रय बाध्यता अनुपालना ढांचा) विनियम, 2010 विरचित किये गये हैं; एवं

2- अधिसूचना संख्या: राविविआ/सचिव/विनियम-83 दिनांक 31.1.2011, जिसके द्वारा राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (परामर्शदाता (ओं0) की नियुक्ति) विनियम, 2011 विरचित किये गये हैं।

एक माननीय सदस्य: ...(व्यवधान)... छह करोड़ जनता का गला घोंट रहे हैं ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री राजेन्द्र पारीक, उद्योग मंत्री उद्योग विभाग की एक अधिसूचना सदन की मेज पर रखेंगे।

उद्योग विभाग

श्री राजेन्द्र पारीक (उद्योग मंत्री): सभापति महोदय, मैं उद्योग विभाग की अधिसूचना संख्या : एफ.14(5)उद्योग/1/2010 दिनांक 25.1.2011 जिसके द्वारा राजस्थान उद्यम

एकल खिड़की सामर्थ्यकारी और अनुज्ञापन नियम, 2011 विरचित किये गये हैं, सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): बर्दाश्त नहीं करेंगे, सत्ता पक्ष के लोग धमकियां बर्दाश्त नहीं करेंगे ...(व्यवधान)... तीन वर्ष बाद आकर के इन्होंने अभी से यह कहना शुरू कर दिया है ...(व्यवधान)... मैं देख लूंगी ...(व्यवधान)... विधान सभा के अन्दर ...(व्यवधान)... धमकाना ...(व्यवधान)... ऐसे ऐसे शब्द कहे, उनकी सीमाएं हैं ...(व्यवधान)... उनके लिए नहीं बोल सकते लेकिन जो आचरण किया जा रहा है यह आचरण कतई बर्दाश्त के काबिल नहीं है ...(व्यवधान)... इसलिए सभापति महोदय, मेरा आपसे निवेदन है कि जब तक सदन के अन्दर ...(व्यवधान)... वातावरण तीन चार दिन से जो किया जा रहा है उसके ऊपर प्रतिपक्ष की नेता आकर के क्षमायाचना करें ...(व्यवधान)... तभी यह सदन चल पाएगा ...(व्यवधान)...

समिति का प्रतिवेदन

महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति (क्रम सं0 19 व 20)

श्री सभापति: श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास, सभापति महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति, 2010-2011 समिति के निम्नांकित प्रतिवेदनों का उपस्थापन करेंगी :-

श्रीमती सूर्यकान्ता व्यास (सूरसागर): सभापति महोदय, मैं कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार निम्नांकित दो प्रतिवेदनों का उपस्थापन करती हूं:-

1- जयपुर स्थित विभिन्न थानों में स्थापित महिला डेस्क के आकस्मिक निरीक्षण से संबंधित महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति, 2010-2011 का 19वां प्रतिवेदन; एवं

2- बाल भारती विशिष्ट मॉन्टेसरी स्कूल, गंगाशहर रोड, बीकानेर में प्रशासक नियुक्त करने तथा निवासी कोकापुर, पुलिस थाना-सागवाड़ा द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना में अपराधियों से सुरक्षा उपलब्ध कराये जाने से संबंधित महिला एवं बालकों के कल्याण संबंधी समिति, 2010-2011 का 20वां प्रतिवेदन ।

याचिकाओं का उपस्थापन

श्री सभापति: श्री पवन दुग्गल, सदस्य, विधान सभा तीन याचिकाओं का उपस्थापन करेंगे।

श्री पवन कुमार दुग्गल (अनूपगढ़): सभापति महोदय, मैं कार्यसूची में किये गये उल्लेख के अनुसार निम्नांकित तीन याचिकाओं का उपस्थापन करता हूं :-

I- कच्ची बस्ती घड़साना-रावला को मण्डी विकास समिति, बीकानेर से लेकर ग्राम पंचायत को देने बाबत् ;

II-रावला व नाहरावाली को उप-तहसील बनाने बाबत्; एवं

III - घड़साना-नाहरावाली में बालिका विद्यालय क्रमोन्नत व नया खोलने बाबत् ।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): उन्होंने जो घोषणाएं की हैं, जो बजट दिया है ...(व्यवधान)... माहौल कांग्रेस के पक्ष में नहीं बने ...(व्यवधान)... सदन के नेता को नहीं बोलने दें ...(व्यवधान)... ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति राजस्थान में कभी पैदा नहीं हुई ...(व्यवधान)... जो अराजकता की ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: और जोर से चिल्लाओ ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): आन्दोलन को कुचला गया ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री जगसीराम, सदस्य, विधान सभा एक याचिका का उपस्थापन करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): सभापति महोदय, न तो कानून व्यवस्था पर बोलने का इनको हक है ...(व्यवधान)... जो यह सदन चल रहा है, जो यह बजट सैशन चल रहा है जिसकी बहुत उम्मीद माननीय सदस्यों को भी रहती है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री रामनारायण मीणा, सदस्य, विधान सभा एक याचिका का उपस्थापन करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): ...(व्यवधान)... कि हम हमारे क्षेत्र की समस्याएं उठायेंगे, हमारे क्षेत्र की समस्याओं पर हम वार्ता करेंगे ...(व्यवधान)... बोलने नहीं दिया हम बहुत शांतिपूर्वक इनकी बात सुन रहे थे, प्रतिपक्ष की नेता बोल रही थी, सभी सत्तापक्ष के माननीय सदस्य ध्यानपूर्वक सुन रहे थे ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री वासुदेव देवनानी, सदस्य, विधान सभा एक याचिका का उपस्थापन करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): सभापति महोदय, मैं कार्यसूची में किये गये उल्लेख के अनुसार अजमेर शहर के पुलिस थाना क्रिश्चयनगंज एवं गंज का पुनर्गठन करने तथा नागफणी नई सड़क क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित किये जाने के संबंध में एक याचिका का उपस्थापन करता हूं।

एक माननीय सदस्य: माफी मंगवाओ ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): चिकित्सा राज्य मंत्री के ऊपर दो दो आरोप ...(व्यवधान)... शालीनता से जवाब दिया ...(व्यवधान)...

समिति गठन प्रस्ताव

वित्तीय समितियों के निर्वाचन के संबंध में प्रस्ताव

श्री सभापति: श्री वीरेन्द्र बेनीवाल, सरकारी मुख्य सचेतक वित्तीय समितियों के निर्वाचन के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

श्री वीरेन्द्र बेनीवाल (मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं निम्नांकित प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं:-

1. "इस सदन के सदस्यों द्वारा राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 230(1) के द्वारा निर्दिष्ट रीति से समस्त सदस्यों की संख्या में से जन लेखा समिति, 2011-2012 के लिये पन्द्रह सदस्यों का निर्वाचन किया जाय ।

2. इस सदन के सदस्यों द्वारा राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231 के साथ पढ़ते हुए नियम 232(1) के द्वारा निर्दिष्ट रीति से समस्त सदस्यों की संख्या में से प्राक्कलन समिति 'क', 2011-2012 के लिये पन्द्रह सदस्यों का निर्वाचन किया जाय ।

3. इस सदन के सदस्यों द्वारा राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231 के साथ पढ़ते हुए नियम 232(1) के द्वारा निर्दिष्ट रीति से समस्त सदस्यों की संख्या में से प्राक्कलन समिति 'ख', 2011-2012 के लिये पन्द्रह सदस्यों का निर्वाचन किया जाय ।

4. इस सदन के सदस्यों द्वारा राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 233-खा(1) के द्वारा निर्दिष्ट रीति से समस्त सदस्यों की संख्या में से राजकीय उपक्रम समिति, 2011-2012 के लिये पन्द्रह सदस्यों का निर्वाचन किया जाय।"

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): प्रतिपक्ष की नेता से ऐसे आचरण की हम कभी कल्पना नहीं कर सकते ...(व्यवधान)... जो उन्होंने किया और उसके बाद सदन को ठीक ढंग से नहीं चलने देना ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: इनके पास कुछ बोलने का नहीं है ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): और उसके बाद जब सदन के नेता बोले तो सदन के नेता को बोलने से रोकना ...(व्यवधान).. स्थिति है ...(व्यवधान)... यह पहली बार नहीं हुआ है चौथी बार हुआ है सभापति महोदय, इसलिए सत्ता पक्ष यह चाहता है कि जिस तरह से उन्होंने सदन के नेता को नहीं बोलने दिया, जिस तरह का उन्होंने वातावरण पैदा किया, उनको नहीं बोलने दिया, प्रतिपक्ष की नेता जब तक आकर के क्षमायाचना नहीं करे ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: माफी नहीं मांगे जब तक यह कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): हम लोग सहयोग किसी हालत में नहीं कर सकते ...(व्यवधान)... आज प्रतिपक्ष के नेता को छोटी छोटी बातों पर ...(व्यवधान)... टिप्पणियां की ह है यह क्या उचित है ...(व्यवधान)... सभी सदस्यों को कह दें कि मैं देख लूंगी ...(व्यवधान)... तीन साल बाद चुनाव होगा, कौन जिएगा, कौन मरेगा, क्या वातावरण होगा ...(व्यवधान)... तीन साल पहले ही भविष्यवाणियां कर रहे हैं कि मैं तीन साल बाद आऊंगी जब देख लूंगी ...(व्यवधान)...

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): सदन को चलाओ ...(व्यवधान)...

श्रीमती किरण माहेश्वरी (राजसमन्द): राजस्थान की जनता की समस्या को यहां डिस्कस नहीं करने देना ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): विधान सभा के कर्मचारियों को भी धमकाया जा रहा है ...(व्यवधान)... ऐसी स्थिति राजस्थान के अन्दर ...(व्यवधान)... इनके प्रतिपक्ष के नेता बनने ...(व्यवधान)... दुबारा आने ...(व्यवधान)...

विधायी कार्य: विधेयक पर विचार

राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011

श्री सभापति: श्री शांती कुमार धारीवाल, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाए।

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय।

श्री सभापति: श्री ओम बिरला, श्री अमराराम, श्री पेमाराम, श्री रमेश खण्डेलवाल, श्री राजेन्द्र राठौड़, डा. दिगम्बर सिंह। ...(व्यवधान)...

श्री ओम बिरला (कोटा दक्षिण): यह लोग सुनना नहीं चाहते। ...(व्यवधान)... बोलने नहीं देना चाहते। ...(व्यवधान)... नगरपालिकाओं में भ्रष्टाचार हो रहा है ...(व्यवधान)... यह सुनना ही नहीं चाहते। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: विधेयक को जनमत जानने हेतु परिचालित करने का संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): वह जब तक आकर के इस बात के लिए क्षमा याचना नहीं करें ...(व्यवधान)... वह जब तक आकर माफी नहीं मांगेंगे तब तक सत्ता पक्ष के लोग उद्वेलित हैं ...(व्यवधान)... पूरे राजस्थान की जनता उद्वेलित है। ...(व्यवधान)...

एक माननीय सदस्य: सत्ता पक्ष के लोग ...(व्यवधान)... सवाईमाधोपुर में जो घटना हो रही है ...(व्यवधान)... जनता माफ नहीं करेगी, क्या हालत बना कर रख दी आज राजस्थान की। ...(व्यवधान)...

vns/usc/13.20/1p/22.3.2011/1

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय ?'

(स्वीकृत)

विधेयक को विचारार्थ लिया गया।

खण्डश: विचार

खण्ड- 2 से 14- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि खण्ड- 2 से 4 स्वीकार किये जाएं ?'

(स्वीकृत)

खण्ड-2 से 14 स्वीकार किये गये।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): सभापति महोदय, माफी मंगवाइये..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि खण्ड- 1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये जाय ?'

(स्वीकृत)

खण्ड- 1 अधिनियम सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये गये।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): कुछ भी कहते हैं..(भारी व्यवधान) माफी मंगवाओ पहले..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: श्री शांति कुमार धारीवाल, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाय।

विधेयक का पारण

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाय।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): जो हरिवभाग के अन्दर राहत दे दी गयी, जो गांवों के विकास का खाका पेश किया गया यह माननीय सदस्य..(भारी व्यवधान)

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): सभापति महोदय, हम बोलना चाहते हैं। हम विधेयक पर बोलना चाहते हैं। राजस्थान..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 पारित किया जाय ?'

(स्वीकृत)

राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2011 पारित किया गया।

श्री पेमाराम (धोद): सभापति महोदय, हम बोलना चाह रहे हैं..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): यह माननीय सदस्य प्रतिपक्ष के पचा नहीं पा रहे हैं। पचा नहीं पा रहे हैं। लोग कहने लगे कि चुनावी बजट है..(भारी व्यवधान) सभापति महोदय, जो कांग्रेस के मुखिया हैं..(व्यवधान) जो विपक्ष के लोग माहौल खराब करना चाह रहे हैं और मुख्यमंत्री जी को सदन में नहीं बोलने देने की इनकी मुख्य वजह यही है कि इस तरह से बजट की जो महत्वपूर्ण घोषणाएं हैं उनसे ध्यान हटाया जाए जनता का। यह जो घोषणाएं हुई हैं बजट में गांव, गरीब और किसान के लिये और राजस्थान के अन्दर वाहवाही हो रही है। राजस्थान में वाहवाही हो रही है राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी की, कांग्रेस की सरकार की..(भारी व्यवधान) वह नहीं पचा पा रहे हैं। इस वजह से यह चाहते हैं कि सदन के अन्दर इस तरह की बात पैदा की जाए..(भारी व्यवधान)

विधेयक पर विचार

राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011

श्री सभापति: डा. जितेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय।

डा. जितेन्द्र सिंह (ऊर्जा मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: विधेयक को जनमत जानने हेतु परिचालित करने का संशोधन प्रस्ताव- श्री गुलाब चन्द कटारिया (भारी व्यवधान) श्री ओम बिरला..(भारी व्यवधान) श्री मोहनलाल गुप्ता..(भारी व्यवधान) श्री राजेन्द्र राठौड़..(भारी व्यवधान) डा. दिगम्बर सिंह..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): माफी मंगवाओ..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय?'

(स्वीकृत)

विधेयक को विचारार्थ लिया गया।

एक माननीय सदस्य: गृह मंत्रीजी तैयार खड़े हैं। भ्रष्टाचार का रथ आया हुआ खड़ा है..(भारी व्यवधान) भ्रष्टाचार के रथ में बैठने के लिये वह तैयार हैं..(भारी व्यवधान)

खण्डश: विचार

खण्ड-2 से 4- कोई संशोधन नहीं।

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से 4 स्वीकार किये जाएं ?'

(स्वीकृत)

खण्ड- 2 से 4 स्वीकार किये गये।

खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये जाय?'

(स्वीकृत)

खण्ड-1 अधिनियम सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये गये।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह पीछे वाला +++खराब हो गया क्या आज। +++खराब हो गया आज..(भारी व्यवधान) यह नये-नये +++ हैं..(भारी व्यवधान) षडयंत्रकारी हैं। इतिहास निकलवाना पड़ेगा यह जिस तरह से षडयंत्र करते हैं..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): नेता को नहीं बोलने देना..(भारी व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: यह भ्रष्टाचार का रथ खड़ा है और सबका इंतजार कर रहा है..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: डा. जितेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाय।

विधेयक का पारण

डा. जितेन्द्र सिंह (ऊर्जा मंत्री): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 को पारित किया जाय।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह राजस्थान का लोकतन्त्र कभी माफ नहीं करेगा आपको तारानगर से आने वाले माननीय सदस्य। आपकी जो..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): गृह मंत्री के ऊपर करें इससे बड़ी शर्मनाक बात और हो नहीं सकती..(भारी व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आपने राजस्थान के लोकतन्त्र को शर्मसार किया है और आपकी जो बीमारी फैलायी है आपने कि राजस्थान के..(भारी व्यवधान) तो जो षड्यंत्रकारी नीति है वह राजस्थान के कोने-कोने में पहुंचा दी है..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): इससे लगा लिया जाए कि हर वर्ग को राहत देने वाला था इसलिये सभापति महोदय, यह इस तरह से धमकाने की जो आदत है उस आदत से बाज आना चाहिये और इन्होंने जब तक..(भारी व्यवधान) सभी माननीय सदस्यों को, सत्ता पक्ष के सभी माननीय सदस्यों को जो धमकी दी गयी है जब तक वह आकर के क्षमा नहीं मांगें और सदन के नेता नहीं बोलने देने का जो उन्होंने एक षड्यंत्र किया है वह हम बर्दाश्त नहीं करेंगे..(भारी व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह जो मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हो ना, अपने आपको आज भी मंत्री समझ रहे हो..(भारी व्यवधान) क्या चली गयी..(भारी व्यवधान) इनके नापाक इरादों को समझने की जरूरत है..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 पारित किया जाय ?'

(स्वीकृत)

राजस्थान विश्वविद्यालयों के अध्यापक तथा अधिकारी (नियुक्ति के लिये चयन) (संशोधन) विधेयक, 2011 पारित किया गया।

विधेयक पर विचार

रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011

डा. जितेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय।

डा. जितेन्द्र सिंह (ऊर्जा मंत्री): माननीय सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): हमारे अधिकारों का जो हनन हुआ है..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): राजस्थान की गरीब जनता की आवाज..(भारी व्यवधान) और सदस्यों को धमकाया है..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: विधेयक को जनमत जानने हेतु परिचालित करने का संशोधन प्रस्ताव- श्री अमराराम..(भारी व्यवधान) श्री पेमाराम..(भारी व्यवधान) श्री गुलाब चन्द कटारिया..(भारी व्यवधान) श्री ओम बिरला..(भारी व्यवधान) श्री मोहनलाल गुप्ता..(भारी व्यवधान)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह एक ढर्रा बना रखा है इन्होंने और इस +++ का संचालन..(भारी व्यवधान) यह कर रहे हैं। जो माननीय सदस्य हैं, भयभीत करके रख..(भारी व्यवधान) भारतीय जनता पार्टी ने दी है..(भारी व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): यह सामन्तशाही रवैया है..(भारी व्यवधान) यह लोकतन्त्र का गला घोटना चाहते हैं..(भारी व्यवधान) यह प्रतिपक्ष के सदस्य हैं..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: 'प्रश्न यह है कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 को विचारार्थ लिया जाय ?'

(स्वीकृत)

विधेयक को विचारार्थ लिया गया।

खण्डश: विचार

खण्ड- 2 से 48- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि खण्ड-2 से 48 स्वीकार किये जाएं?'

(स्वीकृत)

खण्ड- 2 से 48 स्वीकार किये गये।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): क्या यह इस प्रकार की राजनीति कर रहे हैं..(भारी व्यवधान)

श्री सभापति: अनुसूची 1 व 2- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि अनुसूची 1 व 2 स्वीकार की जाय?'

(स्वीकृत)

अनुसूची 1 व 2 स्वीकार की गयी।

खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि- कोई संशोधन नहीं।

'प्रश्न यह है कि खण्ड-1 अधिनियमन सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये जाय?'

(स्वीकृत)

खण्ड-1 अधिनियम सूत्र, नाम आदि स्वीकार किये गये।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): +++ क्या कह रहा है..(भारी व्यवधान) हमको +++ बताने वालों जरा..(भारी व्यवधान।

श्याम/चौहान 22.03.2011 13.30 1q

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): नकेल कसने वाला हो ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): खड़े हो जाओ, एक मिनट ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): इनके ललित मोदी नकेल कस रहे थे ...(व्यवधान)... आमेर की हवेलियां बिकी ...(व्यवधान)...

श्री नगराज (धरियावद): सभापति महोदय, प्रतिपक्ष की नेता बोल रही थी ...(व्यवधान)... सभी माननीय सदस्यों ने ...(व्यवधान)...

श्री मदन प्रजापत (पचपदरा): 90 बी कर जमीनों को बेच दिया ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): भारतीय जनता पार्टी के ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य इतने दुःखी हैं, तारानगर से आने वाले माननीय सदस्य के कर्मों से ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): उस पर कोई जवाब नहीं आया ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): आरएसएस से जुड़े हुए, भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हों ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: डॉ. जितेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 को पारित किया जाये।

जो सदस्य बोलना चाहें, उन्हें अनुमति दी जायेगी। यदि कोई सदस्य बोलेंगे तो प्रभारी मंत्री उत्तर देंगे।

विधेयक का पारण

डा. जितेन्द्र सिंह (ऊर्जा मंत्री): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 को पारित किया जाये।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह जो तारानगर से आने वाले ...(व्यवधान)... और यह जो डीग से आने वाले +++ ...(व्यवधान)... यह +++ परंपरा क्या रही ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: प्रश्न यह है कि रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 पारित किया जाये?

(स्वीकृत)

रेफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना (अलवर) विधेयक, 2011 पारित किया गया।

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): कुत्ते को गोली किसने मारी इस पर हंगामा और हमारे सदन के नेता को तीन-तीन बार ...(व्यवधान)... विधान सभा स्थगित करनी पड़ी ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): +++ खड़ा हो जाये ...(व्यवधान)... आप बोलें ...(व्यवधान)... डीग से आने वाले माननीय सदस्य +++ बन रहे हैं ...(व्यवधान)...

आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2011-2012

द्वितीय अवस्था

अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

श्री सभापति: आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2011-2012, द्वितीय अवस्था, अनुदान की मांगों पर विचार एवं मतदान।

श्री शांती कुमार धारीवाल, गृह मंत्री अनुदान की मांग संख्या-16- विचार एवं मतदान हेतु प्रस्तुत करेंगे। ...(व्यवधान)...

अनुदान की मांग

मांग संख्या 16 - पुलिस की प्रस्तुति

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि अनुदान की मांग संख्या-16- पुलिस के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 22,82,23,28,000/- (बाईस अरब बयासी करोड़ तेईस लाख अट्ठाइस हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): तारानगर वाला +++ ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): यह अक्षम्य है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): तारानगर से और डीग से आने वाले माननीय सदस्यों, दोनों को सोचना चाहिए इस सदन में ...(व्यवधान)...

श्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत (चित्तौड़गढ़): इस तरह की घटना कभी नहीं हुई ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री रामकिशोर सैनी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अनुदान की मांग संख्या 17 एवं 33 विचार एवं मतदान हेतु प्रस्तुत करेंगे।

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): सभापति महोदय, +++ ...(व्यवधान)... अब खड़े हुए हैं ...(व्यवधान)... यह अवसरवादी राजनीति के प्रतीक है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: श्री ओम बिरला ...(व्यवधान)... राजेन्द्र राठौड़ ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): बीजेपी के जो असली लोग हैं ...(व्यवधान)... इस सदन के अंदर जिस तरह से परंपराओं को तोड़ रहे हैं ...(व्यवधान)...

डा. दिगम्बर सिंह (डीग-कुम्हेर): +++ क्या परंपरा बता रहे हैं ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): कीमत चुकानी पड़ेगी ...(व्यवधान)...

मांग संख्या 17 - कारागार की प्रस्तुति

श्री रामकिशोर सैनी (राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-17 कारागार के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 75,70,85,000/-(पचहत्तर करोड़ सत्तर लाख पचासी हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

मांग संख्या 33 - सामाजिक सुरक्षा और कल्याण की प्रस्तुति

सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-33 सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 19,48,82,56,000/-(उन्नीस अरब अड़तालीस करोड़ बयासी लाख छप्पन हजार) तक की राशि प्रदान की जाए।

श्री सभापति: प्रभारी मंत्री प्रस्ताव करेंगे कि मांगें पारित की जायें ...(व्यवधान)...

मांग संख्या 16 का पारण

श्री शांती कुमार धारीवाल (गृह मंत्री): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या-16 पुलिस पारित की जाये ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-16 पुलिस के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 22,82,23,28,000/-(बाईस अरब बयासी करोड़ तेईस लाख अट्ठाईस हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गयी।

श्री राजेन्द्र राठौड़ (तारानगर): नो, नो ...(व्यवधान)...

अनेक माननीय सदस्य: नो, नो ...(व्यवधान)...

मांग संख्या 17 का पारण

श्री रामकिशोर सैनी (राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता): सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्रस्ताव करता हूं कि मांग संख्या- 17 कारागार एवं मांग संख्या-33 सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण को पारित किया जाए।

श्री सभापति: प्रश्न यह है कि मांग संख्या-17 कारागार के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 75,70,85,000/-(पचहत्तर करोड़ सत्तर लाख पचासी हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गयी।

मांग संख्या 33 का पारण

प्रश्न यह है कि मांग संख्या-33 सामाजिक सुरक्षा और कल्याण के संबंध में 31 मार्च, 2012 को समाप्त होने वाले वर्ष में किये जाने वाले व्यय के निमित्त राज्यपाल महोदय को रूपये 19,48,82,56,000/-(उन्नीस अरब अड़तालीस करोड़ बयासी लाख छपपन हजार) तक की राशि प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

मांग स्वीकार की गयी।

श्री वासुदेव देवनानी (अजमेर उत्तर): कर्मचारियों को धमकाया जा रहा है ...(व्यवधान)...

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यहां भ्रष्टाचार पर चर्चा होगी ...(व्यवधान)... यह भागना चाहते हैं ...(व्यवधान)...

बहिर्गमन

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा बहिर्गमन)

डा. रघु शर्मा (केकड़ी): यह षड्यंत्रकारी हैं ...(व्यवधान)... इनका पर्दाफाश करने के लिये ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: सदन की बैठक बुधवार, दिनांक 23 मार्च, 2011 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 13.35 बजे, बुधवार, दिनांक 23 मार्च, 2011 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)